

УТВЕРЖДАЮ:
Начальник Управления лесами
Тамбовской области
С.И.Истомин
Дата 23.12.2019

Акт
лесопатологического обследования № 946

лесных насаждений Серповское лесничества
Тамбовская область (субъект РФ)

Способ лесопатологического обследования:

1. Визуальный

☐

2. Инструментальный

☒

Место проведения

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал (кварталы) | Выдел (выделы) | Площадь, га |
|------------------------|----------------|--------------------|----------------|-------------|
| Старотомниковское | | 106 | 17 | 4.5 |
| | | | | |
| | | | | |
| | | | | |

Лесопатологическое обследование проведено на общей площади 4.5 га.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|------|-----------------|--------|----|----|----|----|----|----|---|---|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|---------------------|
| 14 | 1,3 | лесные культуры | 10Б | 1 | 16 | Б | 32 | 16 | 16 | 4 | 2 | 1А | ДСН | 9 | 14 | 18 | 18 | 3 | ПРОХ.РУБКА 15% |
| 15 | 6,1 | лесные культуры | 9СО1Б | 1 | 14 | СО | 32 | 14 | 16 | 2 | 1 | 1 | ДСН | 9 | 22 | 134 | 121 | 3 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 15% |
| 16 | 2,1 | лесные культуры | 10Б | 1 | 16 | Б | 32 | 16 | 16 | 4 | 2 | 1А | ДСН | 9 | 14 | 29 | 29 | 3 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 17 | 4,5 | лесные культуры | 10СО+Б | 1 | 14 | СО | 32 | 14 | 16 | 2 | 1 | 1 | ДСН | 1,0 | 24 | 108 | 108 | 3 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 18 | 1,2 | лесные культуры | 10Б | 1 | 16 | Б | 32 | 16 | 16 | 4 | 2 | 1А | ДСН | 9 | 14 | 17 | 17 | 3 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 19 | 9,0 | лесные культуры | 9СО1Б | 1 | 14 | СО | 32 | 14 | 16 | 2 | 1 | 1 | ДСН | 9 | 22 | 198 | 178 | 4 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 15% |
| 20 | 2,4 | лесные культуры | 7СО3Б | 1 | 9 | СО | 19 | 8 | 10 | 1 | 1 | 1 | ДСН | 7 | 9 | 22 | 15 | 7 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 21 | 1,6 | лесные культуры | 10СО+Б | 1 | 14 | СО | 32 | 14 | 14 | 2 | 1 | 1 | ДСН | 1,0 | 24 | 38 | 38 | 3 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 22 | 7 | 10Б | 1 | 21 | Б | 55 | 21 | 24 | 6 | 3 | 2 | МШ | В2 | 18 | 13 | 13 | 13 | 2 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 23 | 9 | лесные культуры | 10СО | 1 | 5 | СО | 11 | 5 | 4 | 1 | 1 | 2 | ДСН | 7 | 4 | 4 | 4 | 4 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 24 | 6 | ВОЛОТО | 10Б | 1 | 14 | Б | 25 | 14 | 14 | 3 | 2 | 1 | ДСН | 1,0 | 13 | 273 | 273 | 273 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |
| 25 | 21,0 | 10Б | 1 | 22 | Б | 50 | 22 | 26 | 5 | 2 | 1 | ДСН | 4 | 11 | 26 | 26 | 26 | 26 | ПРОРЕЖИВАНИЕ 20% |

КОПИЯ ВЕРНА

Инструментальное обследование лесного участка

1. Фактическая таксационная характеристика лесного насаждения соответствует (не соответствует) (нужное подчеркнуть) таксационному описанию. Причины несоответствия:

Ведомость лесных участков с выявленными несоответствиями таксационным описаниям приведена в приложении 1 к Акту.

| | | |
|--------------------------|-----------------------------------|---|
| 2. Состояние насаждений: | с нарушенной устойчивостью | X |
|--------------------------|-----------------------------------|---|

| | |
|----------------------------|--|
| с утраченной устойчивостью | |
|----------------------------|--|

причины повреждения:

Корневая губка

В том числе:

заселено (отработано) стволовыми вредителями

| Вид вредителя | Порода | Встречаемость (% заселённых деревьев) | Степень заселения лесного насаждения(слабая, средняя, сильная) |
|---------------|--------|---------------------------------------|--|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

Повреждено огнём

| Вид пожара | Порода | Состояние корневых лап | | Состояние корневой шейки | | Подсушивание луба | |
|------------|--------|--------------------------------|---------------------------------------|---|---------------------------------------|---|---------------------------------------|
| | | % поврежденных отгём корней | % деревьев с даным повреждением | ожог корневой шейки по окружности (1/4; 2/4;3/4;более 3/4) | % деревьев с даным повреждением | по окружности (1/4;2/4;3/4;более 3/4) | % деревьев с даным повреждением |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |
| | | | | | | | |

Поражено болезнями

| Вид болезни | Порода | Встречаемость (% поражённых деревьев) | Степень поражения лесного насаждения (слабая, средняя, сильная) |
|-------------|--------|---------------------------------------|---|
| 466 | Со | 12.6 | средняя |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

| | | |
|---------------------------|-------------|------------------------|
| 3. Выборке подлежит | 15.2 | % деревьев, |
| в т.ч.: ослабленных | | % (причины назначения) |
| сильно ослабленных | 11.1 | % (корневая губка) |
| усыхающих | 3 | % (корневая губка) |
| свежего сухостоя | 0.8 | %, |
| в т.ч.: свежего ветровала | | % |
| свежего бурелома | | % |
| старого ветровала | | % |
| в т.ч.: старого бурелома | | % |
| старого сухостоя | 0.3 | % |

| | |
|------|------------------------|
| 12.6 | % деревьев по запасу, |
| | % (причины назначения) |
| 10 | % (корневая губка) |
| 2.3 | % (корневая губка) |
| 0.3 | %, |
| | % |
| | % |
| | % |
| | % |
| | % |

4. Полнота лесного насаждения после уборки деревьев, подлежащих рубке, составит _____
Критическая полнота для данной категории лесных насаждений составляет _____

0.9

0.3

5. ЗАКЛЮЧЕНИЕ

С целью предотвращения негативных процессов или снижения ущерба от их воздействия назначено:

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал | Выдел | Площадь, выдела, га | Вид мероприятия | Площадь, мероприятия, га | Порода | Запас на выдел, кбм | Крайние сроки проведения |
|------------------------|----------------|---------|-------|---------------------|-----------------|--------------------------|--------|---------------------|--------------------------|
| Старотомниковское | | 106 | 17 | 4.5 | ВСП | 4.5 | Со | 136.1 | 2021 |
| | | | | | | | Б | | |
| | | | | | | | | | |

Ведомость перечета деревьев назначенных в рубку и абрис лесного участка прилагаются (приложение 2 и 3 к Акту)

6. Меры по обеспечению возобновления

7. Мероприятия, необходимые для предупреждения повреждения или поражения смежных насаждений

сбор порубочных остатков с последующим сжиганием в пожаробезопасный период, в смежных насаждениях осуществлять надзор за распространением вредителей и болезней.

8. Сведения для расчёта понижающего коэффициента стоимости древесины:

год образования старого сухостоя

2017

основная причина повреждения древесины

Дата проведения обследований

05.08.2019

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

ФИО

Лоскутов Александр Павлович

Подпись



Приложение 1.1
к акту лесопатологических обследований

Результаты проведения лесопатологических обследований лесных насаждений за август 2019 г.

(месяц)

Субъект Российской Федерации Тамбовская область
 Лесничество (лесопарк) Серповское
 Участковое лесничество Старотомниковское
 Урочище (лесная дача) _____

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | </ |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----|

Показатели, не соответствующие таксационному описанию отмечаются "*".

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

ФИО: Лоскутов Александр Павлович

Подпись



Дата составления документа:

10.12.2019

Телефон:

724516

Ведомость перечета деревьев назначенных в рубку

ВРЕМЕННАЯ ПРОБНАЯ ПЛОЩАДЬ №

| | | | | | | | |
|--------------------------------|---------------------------|------------------------|---------------|---------------|-----------|---------|----------|
| Субъект Российской Федерации | Тамбовская область | | | | | | |
| Лесничество (лесопарк) | Серповское | Квартал | 106 | Выдел | 17 | | |
| Площадь | 4.5 | га, | | | | | |
| Номер очага вредных организмов | | Размер пробной площади | 0.5 | га | | | |
| Таксационная характеристика: | | | | | | | |
| Тип леса | ДСН | Состав | 10Со+Б | Возраст | 32 | Бонитет | 1 |
| Полнота | 1 | Запас на га | 240 | Возобновление | 0 | | |

Время и причина ослабления лесного насаждения

Корневая губка

Тип очага вредных организмов: эпизодический, хронический (подчеркнуть)

Фаза развития очага вредных организмов: начальная, нарастания численности, собственно вспышка, кризис (подчеркнуть)

Состояние лесного насаждения, намечаемые мероприятия

Насаждение с нарушенной устойчивостью. Требуется проведение выборочной санитарной рубки.

Средневзвешенная категория состояния насаждения **1.62**

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

ФИО **Лоскутов Александр Павлович** Подпись

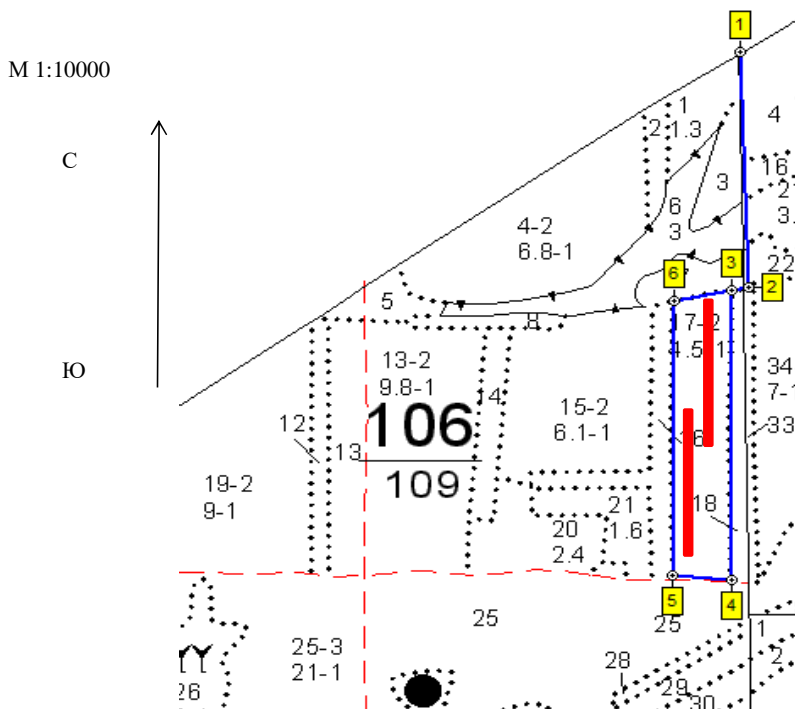


Дата составления документа **10.12.2019** Телефон **8-4752-72-45-16**

Оборотная сторона

[illegible][illegible][illegible]

Абрис участка



| Номер выдела | Ленты (круговой площадки) перечета | | | | |
|--------------|------------------------------------|----------|-----------|-----------|-------------|
| | № ленты (площадки) | длина, м | ширина, м | радиус, м | площадь, га |
| 17 | 1 | 250 | 10 | | 0.25 |
| | 2 | 250 | 10 | | 0.25 |

| Номера точек | Координаты | Румбы линий | Длина, м |
|--------------|---------------------------|-------------|----------|
| 1-2 | E: 53.721485 N: 41.969654 | ЮВ 2 | 411 |
| 2-3 | E: 53.717789 N: 41.969845 | ЮЗ 79 | 27 |
| 3-4 | E: 53.717743 N: 41.96945 | ЮЗ 0 | 506 |
| 4-5 | E: 53.713195 N: 41.969442 | СЗ 85 | 91 |
| 5-6 | E: 53.713272 N: 41.96806 | СВ 0 | 480 |
| 6-3 | E: 53.717584 N: 41.968108 | СВ 79 | 90 |

Условные обозначения

Исполнитель работ по проведению лесопатологических обследований:

ФИО

Лоскутов Александр Павлович

Подпись

Дата составления документа

10.12.2019

Телефон

8-4752-72-45-16